सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉन ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोनः 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-247 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, रविवार 11 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

पाकिस्तान ने नहीं माना सीजफायर-कई इलाकों में ब्लैकआउट

उधमपुर में धमाका, श्रीनगर-बारामूला-छंब में गोलीबारी

जम्मू। अरनिया व कानाचक में कम से कम तीन-तीन ड्रोन देखे गए। बीएसएफ ने दोनों जगह ड्रोनों को नष्ट करने के लिए फायरिंग की। सांबा में भी ड्रोन देखे गए। सांबा, राजौरी के साथ ही कठुआ में भी ब्लैकआउट कर दिया गया है।

पाकिस्तानी सेना सीजफायर नहीं मानी। सीजफायर की घोषणा होने के बाद पाकिस्तानी सेना ने शाम करीब 7:30 बजे सबसे पहले राजोरी के सुंदरबनी सेक्टर में गोलाबारी शुरू कर दी। हालिया तनातनी के बाद यह पहला मौका है जब पाकिस्तान ने सुंदरबनी सेक्टर में मोर्चा खोला। आरएसपुरा सेक्टर, कानाचक के ललयाल, मढ़ के गोल पटन, पुंछ, नौशेरा, सांबा, उधमपुर में भी धमाके सुनाई दिए हैं। रात करीब साढ़े आठ बजे श्रीनगर में एक के बाद एक कई धमाके हुए हैं। जम्मू में ड्रोन देखे जाने की बात सामने आई है।

धमाकों की आवाज से टूटे घरों के शीशे

सीजफायर की घोषणा के बाद लोग चर्चाओं में मशगूल हो गए कि अब शांति आएगी। पर, शाम 7:30 बजते ही पाकिस्तान की तरफ से सुंदरबनी व उससे सटे क्षेत्रों में पहली बार भारी हथियार से गोलाबारी की गई। सुंदरबनी के साथ लगते गांव पैली के युवा राहुल शर्मा ने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से दागे आर्टिलरी के गोले उनके गांव व जंगल में गिरे। इन धमाकों के साथ ही स्थानीय लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर ठौर लिया। उन्होंने बताया कि धमाकों की आवाज इतनी जोरदार थी कि लोगों के घरों के शीशे तक टूट गए। गोलाबारी के साथ ही ड्रोन से भी हमला किया गया जिसे हवा में ही मार गिराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें पाकिस्तान और पाकिस्तानी फौज पर कतई भरोसा नहीं। छंब सेक्टर में भी सीजफायर का उल्लंघन हुआ है।

कठुआ में ब्लैकआउट, अरनिया और उधमपुर में फायरिंग

अरनिया व कानाचक में कम से कम तीन-तीन ड्रोन देखे गए। बीएसएफ ने दोनों जगह ड्रोनों को नष्ट करने के लिए फायरिंग की। सांबा में भी ड्रोन देखे गए। सांबा, राजौरी के साथ ही कठुआ में भी ब्लैकआउट कर दिया गया है। सायरन की आवाज भी गूंज रही है। आरएसपुरा सेक्टर में भी धमाके शुरू होते ही प्रशासन ने सायरन बजाकर अलर्ट किया। उधमपुर में फायरिंग की आवाजें गूंज रही हैं। जम्मू में ब्लैकआउट तो नहीं है, लेकिन लोगों ने खुद ब्लैकआउट कर दिया है। जहां लाइटें जलती दिख रहीं, वहां पुलिस बंद करा रही है। रामगढ़ क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से छोटे हथियारों से गोलीबारी की जा रही है। सेना सभी जगहों पर मुंहतोड़ जवाब दे रही है।

सीजफायर उल्लंघन पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने ट्वीटर पर ट्वीट कर लिखा, आखिर संघर्ष विराम का क्या हुआ? श्रीनगर में धमाकों की आवाजें सुनी गईं!!!

वहीं जम्मू-कश्मीर पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि श्रीनगर में कई विस्फोट हुए हैं। लालचौक, बीबी कैंट एरिया और सफापोरा में विस्फोट हुए हैं।

पीड़ितों को मिलेगा मुआवजा-सीएम उमर अब्दुल्ला

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सीजफायर के एलान के बाद घर पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि चंद मिनट पहले भारत सरकार के प्रवक्ता की ओर से जो भारत और पाकिस्तान के दरमियान दोबारा सीजफायर को कायम करने का जो एलान हुआ उसका मैं दिल की गहराईयों से खैरमकदम करता हूं।

सीएम उमर ने कहा कि देर आये दुरुस्त आये। दो-तीन दिन पहले आया होता तो शायद जो खून खराबा हमें देखने को मिला, जो जानें हमने गवाई वो कीमती जानें आज मेहफ़ूज होती। लेकिन चलिए आखिरकार पाकिस्तान के डीजीएमओ ने फोन उठाकर हमारे डीजीएमओ से बात करके दोबारा सीजफायर जम्मू कश्मीर और बाकी इलाकों में कायम किया।

आगे कहा कि अब मौजूदा जम्मू कश्मीर की हकूमत की जिम्मेदारी बनती है कि जहां-जहां नुकसान हुआ है, नुक्सान का हम मुआयना कर उसका आकलन करें और लोगों को मुआवजा पहुंचाना शुरू करें। जहां लोग घायल हैं उनका भी सही से इलाज हो, उन्हें भी मुआवजा मिले। जैसा आज सुबह एलान हुआ है जहां-जहां कीमती जानें गई हैं। उन लोगों को हम वापिस नहीं ला सकते लेकिन उनके गम में शरीक होके उन घरों को थोड़ी राहत पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

आगे कहा कि नुकसान जम्मू शहर में हुआ है, लेकिन शहर से बाहर पूंछ में काफी तबाही मची है। कल राजौरी में बहुत नुक्सान हुआ, तंगधार पहले दिन से निशाना बना है। जैसा मैंने अभी कहा कि सभी डीसी को हिदायत दी गई है कि नुकसान का आकलन कर हम तक रिपोर्ट पहुंचाएं। ताकि हम जल्द लोगों तक मुआवजा पहुंचाने की कोशिश करेंगे। इसके साथ साथ कई दिनों से हवाई अड्डा बंद रहा है, उम्मीद करते हैं कि सीजफायर के बाद हवाई अड्डा फिर से खुलेगा और हमारे यहां से जो हाजी, हज के लिए जाना था नहीं जा पाए। जैसे ही हवाई अड्डा खुलता है हम उनको यहां से रवाना शुरू करेंगे।

भारत-पाकिस्तान के बीच आज शाम पांच हुआ था सीजफायर का एलान

रक्षा मंत्रालय की प्रेसवार्ता में कॉमेडोर रघु नायर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम हो गया है। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान ने कई झूठ बोले हैं। पाकिस्तान झूठी खबरें फैला रहा है। उनके वरिष्ठ सेना अधिकारी ने झूठा आरोप लगाया कि भारतीय सेना ने मस्जिदों को नुकसान पहुंचाया। लेकिन भारतीय सेना ने ऐसा कुछ नहीं किया। सशस्त्र बलों ने सैन्य ठिकानों को नुकसान नहीं पहुंचाया।

राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में सर्व धर्म सद्भाव बैठक आयोजित

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सर्व धर्म सद्भाव भारत की संस्कृति है। उन्होंने कहा की राष्ट्र के लिए यह समय संवेदनशील है। उन्होंने भारतीय सेना के शौर्य प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बगैर नागरिक ठिकानों को केन्द्र में रखते हुए वह बहुत संयमित ढंग से कार्यवाही कर रही है। उन्होंने सभी धर्म के अनुयायियों को सद्भाव बनाए रखते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

बागडे ने कहा कि हमारी सेना संयमित और रक्षात्मक कार्यवाही कर रही है। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता की इस घड़ी में परस्पर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान का बहुत बड़ा भू भाग सीमा से लगा हुआ है। उन्होंने सीमावर्ती जैसलमेर, फलोदी, बाड़मेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर आदि क्षेत्रों में हो रही कार्यवाही की चर्चा करते हुए कहा कि वहां सभी स्तरों पर सतर्कता और तालमेल रखा जाए। बागडे शनिवार को राजभवन में सर्व धर्म सद्भाव बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बहुत संवेदनशील होकर समयबद्ध प्रभावी कदम उठाए गए है। नागरिक सुरक्षा के प्रभावी प्रबंध किए गए हैं। राज्य सरकार ने सभी रेस्क्यू बंदोबस्त किए हैं। उन्होंने सर्व धर्म सद्भाव के साथ विकास की भारतीय नीति को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्र प्रथम की सोच से कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार इस समय हर क्षेत्र में सक्रिय होकर कार्य कर रही है। उन्होंने सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों से सावधान रहने, सोशल मीडिया पर फेक न्यूज प्रसारित होने की घटनाओं को ध्यान में रखकर कार्यवाही करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सद्भाव और मेलजोल में कमी नहीं आए, इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। शर्मा ने कहा कि बोर्डर पर सभी रिक्त पदों को भरने की त्वरित कार्यवाही की गयी है। बिजली, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ब्लड बैंक, एम्बूलेंस और अन्य साधनों के प्रभावी प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने आम जन से आह्वान भी किया कि वे सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्लेक आउट को देखते हुए शादी-विवाह दिन में ही करें। ऐसे अवसरों पर ड्रोन का उपयोग प्रतिबंधित किया हुआ है। इसे ध्यान में रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में राहत कार्यों के लिए पांच-पांच करोड़ रूपये प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा उनके निकट के जिलों के लिए भी ढाई ढाई करोड़ का प्रावधान किया गया है। आरएसी, होमगार्ड और पुलिस की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती जिलों में भेजी गयी है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि बोर्डर पर रात-रात भर जागकर लोग सुरक्षा के लिए कार्य कर रहे हैं और उनमें राष्ट्र के प्रति विशेष जज्बा देखने को मिल रहा है। उन्होंने प्रशासन और पुलिस द्वारा मुस्तैद रहकर कार्य किए जाने की भी सराहना की। इससे पहले विभिन्न धर्मो के प्रतिनिधियों ने सर्व धर्म सद्भाव की भारतीय संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि संवेदनशीलता के इस समय में वह अपने स्तर पर सभी तरह से सहयोग देने के लिए तत्पर हैं। बैठक में मोतीडूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा द्वारा और जैन समाज द्वारा मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में ग्यारह, ग्यारह लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंदकुमार, कार्मिक विभाग के सचिव डॉ. कृष्णाकांत पाठक पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ, जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक साथ तीन आवासीय योजनाएं लॉन्च करेगा JDA, इन योजनाओं में हैं 765 भूखंड,

जयपुर। जेडीए एक साथ तीन आवासीय योजनाओं को लॉन्च करने जा रहा है। 12 मई को जेडीए में नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा इन तीनों योजनाओं को लॉन्च करेंगे। 13 मई से लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इन योजनाओं में 765 भूखंड हैं। 12 जून तक आवेदन कर सकेंगे। पहले इन योजनाओं को जेडीए मार्च में ला रहा था, लेकिन रेरा में पंजीयन न होने की वजह से इनको लॉन्च नहीं किया गया। ये आवासीय योजनाएं दौलतपुरा, चाकसू और बस्सी में हैं।

योजना-भूखंडों की संख्या-आरक्षित दर (प्रति वर्ग मीटर)

गंगा विहार--233-----14000

यमुना विहार-- 232----15500

सरस्वती विहार--300---11000

भूखंडों के ये होंगे आकार

-45 वर्ग मीटर तक

-46 से 75 वर्ग मीटर तक

-76 से 120 वर्ग मीटर तक

-121 से 220 वर्ग मीटर तक

-220 वर्ग मीटर से अधिक

योजनाओं की स्थिति

-गंगा विहार- जयपुर-आगरा हाईवे से 2.5 किमी दूर, कृषि अनाज मंडी, बस्सी के पीछे और बस्सी रेलवे स्टेशन के पास। योजना में 30 मीटर चौड़ी सडक़ पहुंच मार्ग के रूप में मिलेगी।

-यमुना विहार- चाकसू तहसील के काठावाला में यह योजना है। टोंक रोड के पास है। जयपुर एयरपोर्ट से 39 किमी दूर है। सरस्वती विहार- दौलतपुरा के ग्राम बैनाड़मय में यह योजना है। बैनाड़ रेलवे स्टेशन से 3.4 किमी दूर और दौलतपुरा अंडरपास के पास और सीकर रोड से 6.1 किमी दूरी पर है।

ये कर चुका जेडीए

तीनों योजनाओं में सड़क बनवाने से लेकर भूखंडों के डिमार्केशन करीब 15 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। सरस्वती विहार में तो काम भी शुरू हो गया है।

महिला की दर्दनाक मौत

सवाई माधोपुर। बामनवास कस्बे में पुलिस थाने के निकट रहने वाले सुरेश प्रजापत की 50 वर्षीय पत्नी सुशीला अपनी भैंस को पानी पिलाने के दौरान हादसे का शिकार हो गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम लगभग 6 बजे सुशीला भैंस को खूंटे से खोलकर पानी पिलाने के लिए ले जा रही थी। भैंस के गले में बंधी सांकल का कुंदा दुर्भाग्यवश उसके हाथ में फंसा हुआ था। इसी दौरान अचानक भैंस बेकाबू हो गई। जिससे सुशीला अपना संतुलन खो बैठी और भैंस उसे घसीटने लगी। पहले महिला को खेत में घसीटती रही, बाद में गेट से बाहर निकलकर पिपलाई रोड पर दौड़ने लगी और महिला ने दम तोड़ दिया।

राजस्थान को बांदीकुई-जयपुर एक्सप्रेस वे की सौगात, 3 घंटे में जयपुर से दिल्ली का सफर होगा पूरा

दौसा। यदि सब कुछ सही रहा तो आने वाले दिनों में क्षेत्र के लोगों को बांदीकुई-जयपुर एक्सप्रेस वे की सौगात मिल सकेगी। इसके लिए करीब 67 किलोमीटर लम्बे हाईवे का कार्य अंतिम चरण में है। कोलवा के समीप आरओबी का कार्य पूरा होने पर यातायात शुरू हो सकेगा। अगले माह तक यातायात संचालन शुरू होने की संभावना है। इससे जयपुर, दिल्ली समेत अन्य जगहों का सफर सुगम होगा। वहीं, जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर यातायात दबाव कम हो सकेगा।

जानकारी के अनुसार 1368 करोड़ रुपए की लागत से 66.91 किलोमीटर लम्बा बांदीकुई-जयपुर एक्सप्रेस वे बनाया जा रहा हैं। इसका करीब 32.7 किलोमीटर दौसा एवं 34.1 किलोमीटर हिस्सा जयपुर जिले में है। गौरतलब है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे से जयपुर को जोड़ने के लिए बांदीकुई-जयपुर एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य नवंबर 2022 में शुरू हुआ।

इस एक्सप्रेस वे से जयपुर, दिल्ली एवं मुंबई की सीधी कनेक्टिविटी हो सकेगी। इससे आवागमन सुगम होने के साथ ही समय की बचत भी हो सकेगी। एनएचएआई के सूत्रों की माने तो इस एक्सप्रेस वे का करीब 97 फीसदी कार्य हो गया हैं। सड़क निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। दौसा जिले में भेड़ोली इन्टरचेंज से वाहन चालकों को चढ़ने से रोकने के लिए अवरोधक लगाने के साथ ही गार्ड भी तैनात दिखाई दिए।

चढ़ने-उतरने की मिलेगी सुविधा

एनएचएआई अधिकारियों के मुताबिक इस मार्ग पर एक आरओबी, दो बड़े ब्रिज, 13 छोटे ब्रिज बनाए है। वहीं दो फ्लाईओवर हैं। इसमें भेड़ोली, खुरीखुर्द, सुंदरपुरा गांव के पास, हीरावाला/मुकुन्दपुरा के समीप, बगराना/कानोता आदि जगहों पर इंटरचेंज बनाए गए हैं। बांदीकुई क्षेत्र में छठा इंटरचेंज बनाने के संबंध में डीपीआर बनाकर दिल्ली मुख्यालय को भेज रखी है।

कोलवा आरओबी का कार्य पूरा होना शेष

दौसा जिले के कोलवा स्टेशन के पास इस एक्सप्रेस वे का एकमात्र रेलवे आरओबी धनुषाकार में बनाया जा रहा हैं। बताया जा रहा है कि आरओबी पर एक तरफ कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। निर्माण कार्य के चलते रेलवे की ओर से भी इस जगह पर ट्रेनों को धीमी गति से गुजारा जा रहा है।

भगवान महावीर कैंसर अस्पताल की पहल

दो मिनट में होगा ओरल कैंसर से बचाव

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र ने ओरल कैंसर के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की है। अस्पताल ने मर्क स्पेशलिटीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से हैशटैग के साथ ओरल कैंसर से बचाव के लिए दो मिनट की जांच नामक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को दर्पण का उपयोग करके मात्र दो मिनट की त्वरित स्व-जांच करने के लिए प्रोत्साहित करना है। अस्पताल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अजय बापना ने बताया कि जागरूकता की कमी के कारण लगभग 65 प्रतिशत ओरल कैंसर के मामलों का पता देर से चलता है। ऐसे में, हर महीने दो मिनट की स्व-जांच कैंसर का समय रहते पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

विशेषज्ञों ने आमजन से मुंह में सफेद या लाल धब्बे, ठीक न होने वाले अल्सर या अस्पष्टीकृत रक्तस्राव, लगातार सूजन या आवाज में बदलाव जैसे चेतावनी संकेतों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। उनका संदेश स्पष्ट है- महसूस करें, देखें और कार्रवाई करें। त्वरित दर्पण जांच प्रारंभिक पहचान सुनिश्चित कर सकती है, जिससे समय पर उपचार संभव हो सकेगा। अस्पताल इस जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठा तरीका अपना रहा है। अस्पताल के वेटिंग एरिया में रणनीतिक रूप से दर्पण लगाए जाएंगे, ताकि वहां आने वाले मरीज भी इस स्व-जांच को सक्रिय रूप से कर सकें।

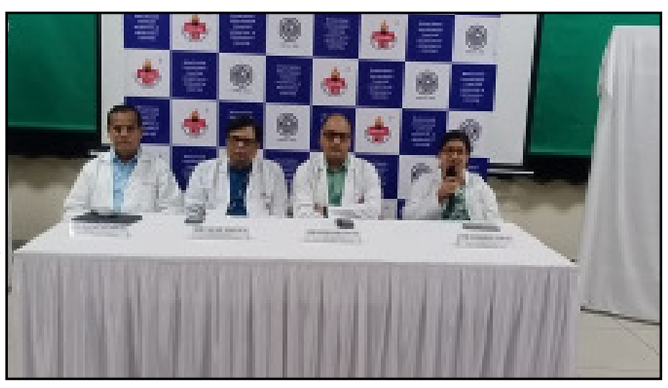

अभियान के शुभारंभ के अवसर पर डॉ. अजय बापना, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. पवन अग्रवाल, डॉ. जयश्री गोयल, डॉ. प्रेम सिंह लोढ़ा, मेजर जनरल डॉ. एस सी पारीक, और डॉ. गीतांजलि अग्रवाल जोशी सहित अस्पताल के कई वरिष्ठ चिकित्सक और ट्रस्टी उपस्थित थे। डॉ. अजय बापना ने भारत में कैंसर की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देर से निदान, जागरूकता की कमी और समय पर उपचार तक सीमित पहुंच से रुग्णता और मृत्यु दर बढ़ सकती है।

उन्होंने खराब जीवनशैली की आदतों, तंबाकू और शराब के सेवन, प्रदूषण और आहार असंतुलन को भी कैंसर के बढ़ते मामलों का कारण बताया। उन्होंने निदान, तंबाकू छोड़ने, स्वस्थ आहार बनाए रखने और सक्रिय जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। डॉ. पवन अग्रवाल ने ओरल कैंसर के लिए प्रारंभिक उपशामक देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें दर्द प्रबंधन, पोषण संबंधी सहायता और भावनात्मक परामर्श शामिल हैं।

डॉ. जयश्री गोयल ने ओरल कैंसर के कारणों (तंबाकू, शराब, एचपीवी संक्रमण) पर बात करते हुए नियमित स्व-जांच के महत्व को रेखांकित किया। इस ओरल कैंसर से बचाव के लिए दो मिनट की जांच अभियान का लक्ष्य यही है कि लोग जागरूक हों और शुरुआती लक्षणों को पहचानकर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें, जिससे उपचार की संभावना बढ़ सके और अनमोल जीवन बचाया जा सके।

भारतीय परमाणु परीक्षण पोखरण 2 की सफलता डॉ भाभा की देन

(लेखक - संजय गोरवामी)

नेशनल टेक्नोलॉजी डे 11मई 25पर विशेष)

यहां तक की परमाणु परीक्षण होने के बाद भी इसकी जानकारी किसी को नहीं लगी थी। भारत की सरकार के लिए उस वक्त से बहुत चुनौतीपूर्ण काम था, क्योंकि अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए (CIA) भारत की हरकतों पर पल-पल नजर बनाए रखता था। सीआईए ने भारत पर नजर रखने के लिए अरबो खर्च कर 4 सैटेलाइट लगाए थे। 24 सितंबर 1996 को अमेरिका ने परमाणु विकसित देशों से मिलकर एक संधि सीटीबीटी यानी कांप्रेहेन्सिव टेस्ट बैन ट्रीटी नामक एक समझौता लागू किया गया जिसके जरिए परमाणु परीक्षणों करने के लिए प्रतिबंधित लागू किया गया है यह संधि अस्तित्व उस समय अस्तित्व में आई जब भारत परमाणु परीक्षण के लिए पुरी तरह से तैयार हो गया था।

भारत में महान परमाणु वैज्ञानिक डा भाभा की योजना को साकार करने की दिशा में पहला कदम था अप्सरा अनुसंधान रिएक्टर का निर्माण जिसे भारत व यूनाइटेड किंगडम की सहायता से सन 1956 में अप्सरा रिएक्टर क्रांतिक यानी चालु हो गया व यूनाइटेड किंगडम द्वारा आवश्यक ईंधन यूरेनियम की आपूर्ति की गई यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह स्वमिंग पुल रिएक्टर है जिसके उपर से सभी नाभिकीय अभिक्रिया दिखाई देता है ।अप्सरा रिएक्टर के पूरा होने से पहले, साइरस रिएक्टर के निर्माण की योजनाएँ तैयार की गई। कनाडा के सहयोग से भारत के मुंबई स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में सन 1955 में साइरस (CIRUS) रिएक्टर के निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ इसमें ईंधन व भारी पानी की आपूर्ति में यू.एस. की भागीदारी आई ।बाद में भारत में ही रिएक्टर के लिए भारी पानी ड्यूटोरियम, फरवरी 1982 में भारी पानी बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा बनाए जाने लगा। रेडियो आइसोटोप विकसित करने के अनुसंधान रिएक्टरों की जरूरत होती है जिसमें विखंडित कृत्रिम तत्व से रेडियो आइसोटोप बनाया जाता है जिससे गामा या अल्फा किरणें निकलती है , गामा किरणों के प्रभाव से कैंसर के सेल को खत्म किया जाता है व इन किरणों के प्रभाव से फसल की पैदावार को बढ़ना व खाद्य पदार्थों को बहुत दिनों तक सुरक्षित रखना इसके अलावा वेल्डिंग त्रुटि को पहचान हेतु औधोगिक रेडियोग्राफी में बहुतायत में उपयोग किया जाता है जैसे गामा-किरणों के विकिरण में आइसोटोप से उत्सर्जित ऊर्जा कृत्रिम रूप से उत्पादित आइसोटोप का गामा रेडियोग्राफी के क्षेत्र में उपयोग होता हैं। अल्फा एमिटर आइसोटोप का उपयोग पेसमेकर, सैटेलाइट बैटरी, व स्मोक डिटेक्टर में किया जाता है ।पोखरण परमाणु परीक्षण 2 को 11,मई 1998 में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा बहुत मेहनत से आयोजित किया गया था। पोखरण 2 का कोड वर्ड (नाम) ऑपरेशन शक्ति था। यह भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण का दूसरा उदाहरण था। पहला परीक्षण, के कोड -का नाम स्माइलिंग बुद्धा मई 1974 में आयोजित किया गया था। इसमें सिर्फ अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन के द्वारा किया गया एटम बम का परिक्षण किया गया था लेकिन 11मई,1998 को किए गए परमाणु परीक्षण उससे कही और ज्यादा शक्तिशाली था व जिसे हाईड्रोजन बम के नाम से भी जाना जाता है ।जब एनपीटी की घोषणा 1970 में हुई थी अब तक 187 देशों ने इस पर साइन किए । इस पर साइन करने वाले देश भविष्य में परमाणु हथियार विकसित नहीं कर सकते हैं। हालांकि, वे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन इसकी निगरानी अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) करती हैं अत: भारत में उस समय स्व इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थी उन्होंने देश की रक्षा के लिए परमाणु अस्त्र बनाने की इजाजत दी थी लेकिन अमेरिका के प्रतिबंध लगाने से परीक्षण करने में असमर्थ हो गयीं तब परमाणु वैज्ञानिकों ने अमेरिका को एक ऑफर दिया कि बहुत ही कम लागत में तारापुर मे परमाणु बिजली घर लगाकर बिजली पैदा कर अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है क्योंकि परमाणु संयंत्र के बनाने में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को ज्यादा समय नहीं लगेगा इस पर अमेरिका सहमत हो गया और परमाणु बिजली घर के परियोजना को मंजूरी दे दी लेकिन कुछ साल बाद जब उसमें बहुत से यंत्र लगाकर कमिशन करना था तो उसे वैज्ञानिकों के अनुसार रणनीति बनाई गई और जब अमेरिका ने संयंत्र को न चलाने की वजह पुछी तो उन्होंने बताया कि उसे चलाने के लिए नाभिकीय ईंधन की जरूरत है और आपने नाभिकीय ईंधन देने पर बैन लगा दिया है अत: अमेरिका ने संयंत्र को चलाने के लिए भारत के लिए उस प्रतिबंध को हटा दिया व तारापुर परमाणु बिजली घर के लिए युरेनियम 238, जो नाभिकीय ईंधन के काम आता है को प्रदान कराया गया और परमाणु बिजली घर चालू हुआ इसके बाद भुक्तशेष परमाणु ईंधन को जमा किया गया जो पुन: परमाणु ईंधन के लिए उपयुक्त होता है लेकिन उसका (-235) का संवर्धन 20प्रतिशत के आस पास रहता है और इसी ईंधन को परमाणु शस्त्र का पदार्थ मानकर 1974 में पोखरन मे परमाणु परीक्षण किया गया लेकिन वो उतना कारगर साबित नही हुआ इस परीक्षण के बाद अमेरिका ने संयंत्र पर कड़ी निगरानी रखी व इसके लिए सैटेलाइट लगा दिया गया लेकिन इस कार्यक्रम को तत्कालीन प्रधानमंत्री ने इसे आगे बढ़ाने को भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों से कहा, बाद में युरेनियम को और संवर्धित कर परमाणु परीक्षण की योजना बनाई गई ।पोखरण परमाणु परीक्षण के लिए हमारे वैज्ञानिकों को तैयारी करने और पूर्वाभ्यास करने के लिए दिन रात जुटे रहें सिर्फ डेढ़ साल का समय मिला था। इस मिशन की गोपनीयता को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता थी ।सन 1997 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुन: परीक्षण के लिए भारत के मशहुर वैज्ञानिक डॉ एपीजे कलाम व डॉ आर चितंबरम इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी व अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण रोक दिया गया था जब 1998 में स्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की सरकार आई तो इसका नेतृत्व करते महान भारतीय वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को पुरी छुट दी उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है उन्होंने साफ कहा कि पार्टी रहे या नही रहे इसकी चिंता नही है देश सर्वोपरि है अत: आप जैसे चाहे वैसे करें देश की रक्षा सर्वोपरि है इसके लिए देश के पास परमाणु अस्त्र जरुरी है इसकी भनक अमेरिका को लगी इसके लिए अमेरिका ने नासा में उस समय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को बुलाया और निदेशक पद का ऑफर दिया स्व डॉ कलाम सर ने उन्हें मना तो नहीं किया लेकिन यह मामला फंस गया बने या न बने उन्होंने इसलिए ऐसा किया क्योंकि वो जानते थे मेरे लिए देश सर्वोपरि है और मैं अकेला हू अत: वो वहां जाकर ऐ जान गए कि भारत के परमाणु परीक्षण को लेकर अमेरिका ने सैटेलाइट लगा दिया है अत: भारत आने के बाद उन्होंने इस कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की उन्होंने परमाणु परीक्षण से जुड़े सभी वैज्ञानिकों को बताया कि यहां सैन्य अभ्यास की तैयारी कर उस मिशन को पूरा करने की कोशिश की जाए व यह काम सैटेलाइट जाने के ठीक ढेड (1.5) घंटे के पहले ही करना होगा बाद में इसकी खबर पाकिस्तान के गुप्तचरों ने अमेरिका को बता दिया और अमेरिका ने सैटेलाइट घुमाने की अवधि करीब आधा घंटा कर दिया इससे पहले पता चलता वैज्ञानिकों ने सेना की वर्दी पहने व आधे घंटे के अंदर ही घास फूस का मचान/छत जैसा तैयार कर निचे घुस कर बहुत ही कठिन परिस्थितियों में गड्ढा खोदने का काम किया जिसमें परमाणु परीक्षण किया जाता है ।भारत जब पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के तहत सफल परमाणु परीक्षण करने की तैयारी कर रहा था, तो इसकी भनक किसी भी दूसरे देश को नहीं थी। यहां तक की परमाणु परीक्षण होने के बाद भी इसकी जानकारी किसी को नहीं लगी थी। भारत की सरकार के लिए उस वक्त से बहुत चुनौतीपूर्ण काम था, क्योंकि अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए (CIA) भारत की हरकतों पर पल-पल नजर बनाए रखता था। सीआईए ने भारत पर नजर रखने के लिए अरबो खर्च कर 4 सैटेलाइट लगाए थे। 24 सितंबर 1996 को अमेरिका ने परमाणु विकसित देशों से मिलकर एक संधि सीटीबीटी यानी कांप्रेहेन्सिव टेस्ट बैन ट्रीटी नामक एक समझौता लागू किया गया जिसके जरिए परमाणु परीक्षणों करने के लिए प्रतिबंधित लागू किया गया है यह संधि अस्तित्व उस समय अस्तित्व में आई जब भारत परमाणु परीक्षण के लिए पुरी तरह से तैयार हो गया था। 1997 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुन: परीक्षण के लिए भारत के मशहुर वैज्ञानिक डॉ एपीजे कलाम व डॉ आर चितंबरम के अगुआई में इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी मसौदा, अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण इस मिशन को रोक दिया गया था जब 1998 में एनडीए की सरकार आई तो स्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी ने इस मिशन को पुरा करने के लिए वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को प्रोत्साहित किया जो इसका नेतृत्व कर रहे थे डा कलाम साहब को इस मिशन को पुरा करने की पुरी छुट दी उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब परीक्षण करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है उन्होंने साफ कहा कि मेरी सरकार रहे या ना रहे , पार्टी रहे या नही रहे इसकी चिंता नहीं है देश सर्वोपरि है अत: आप जैसे चाहे वैसे करें देश की रक्षा सर्वोपरि है इसके लिए देश के पास परमाणु अस्त्र जरुरी है इसकी भनक अमेरिका को लगी इसके लिए अमेरिका ने नासा में उस समय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को बुलाया और निदेशक पद का ऑफर दिया स्व डॉ कलाम सर ने उन्हें मना तो नहीं किया लेकिन यह मामला फंस गया बने या न बने उन्होंने इसलिए ऐसा किया क्योंकि वो जानते थे मेरे लिए देश सर्वोपरि है और मैं अकेला हू अत: वो वहां जाकर ऐ जान गए कि भारत के परमाणु परीक्षण को लेकर अमेरिका ने सैटेलाइट लगा दिया है अत: भारत आने के बाद उन्होंने इस कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की उन्होंने परमाणु परीक्षण से जुड़े सभी वैज्ञानिकों को बताया कि यहां सैन्य अभ्यास की तैयारी कर उस मिशन को पूरा करने की कोशिश की जाए वैज्ञानिकों ने इसके लिए 11मई,1998 का तारीख तक किया।

संपादकीय

सधी रणनीति-कूटनीति

दशकों से पाक पोषित आतंकवादियों के हमले झेल रहे भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में सधे-सटीक मिसाइल हमले करके आतंक की पाठशालाएं ध्वस्त कर दी। 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप-रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत-पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया। दरअसल, चीन व तुर्की को छोड़कर दुनिया के तमाम बड़े मुल्क आतंक से प्रभावित भारत के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वहीं सऊदी अरब के उपविदेश मंत्री अदेल अलीजुबैर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। जिन्हें पहलगाम हमले के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया। भारत ने आतंक को बढ़ावा देना बंद न करने तक बातचीत से इनकार किया। मोदी सरकार, सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों तथा सेना के तीनों अंगों ने बेहतर तालमेल के साथ ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद पाक द्वारा किए हमलों को विफल बनाने के लिये पर्याप्त होमवर्क किया। लगातार बैठकों व संवाद के जरिये इस चुनौती के मुकाबले की रणनीति को अंजाम दिया। जिससे देश के जनमानस का भरोसा बढ़ा कि देश सही हाथों में है। अब तक भारत पाक पोषित आतंकवादी हमलों के बाद सिर्फ कूटनीतिक स्तर पर कार्यवाही की कोशिश करता रहा है। ऐसी स्थिति मुंबई हमले, संसद पर हुए हमले तथा पठानकोट एयर बेस पर हुए हमलों के बाद सामने आई। भारत सबूतों के आधार पर वैश्विक संगठनों से कार्रवाई की मांग करता रहा है। लेकिन पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना नये भारत की बदली रणनीति का पर्याय ही है। पहले पाक के परमाणु हथियार का डर दिखाकर भारत को कार्रवाई करने से रोका जाता रहा है। कालांतर में 2016 में उरी में 19 सैनिकों के मारे जाने पर नियंत्रण रेखा के पार व 2019 में पुलवामा विस्फोट के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की गई। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद सीधी कार्रवाई करके साफ संदेश दिया कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब आतंकवाद को सींचने वाले पाक पर भारत सीधी कार्रवाई करेगा।

विरासत में मिले जज्बे को निखारतीं सोफिया

चर्चा में चेहरा/ अरुण नैथानी

कर्नल सोफिया कुरैशी, जिनकी पृष्ठभूमि सैन्य परिवार से जुड़ी है। अपनी उपलब्धियों से आज पूरे देश का ध्यान खींच चुकी हैं। उनके सैन्य सेवा में अनेक महत्वपूर्ण योगदान हैं, जिसमें संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भागीदारी और आपदा राहत में भूमिका भी शामिल है। कभी-कभी नकारात्मक परिदृश्य में ऐसी सकारात्मकता उभर कर आती है कि देश-दुनिया चौंकती है। पहलगाम हमले और उसमें शामिल आतंकियों को सबक सिखाने के लिये किए ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक ऐसा ही नगीना चमका जिसने पूरे देश का ध्यान खींचा। प्रतीकों को बेहतर ढंग से इस्तेमाल करके जनमानस को चौंकाने वाली मोदी सरकार ने इस बार भी ऐसा किया। उसने जहां पहलगाम में मारे गए पर्यटकों की विधवाओं के हक में हमले को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया, वहीं मीडिया को जानकारी देने के लिये विदेश सचिव के साथ सेना की दो महिला अधिकारियों को जिम्मेदारी दी। ये योग्य व गुणी सैन्य अधिकारी थीं कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह। लेकिन ज्यादा ध्यान खींचा सोफिया ने जिसकी कई पीढ़ियां सेना में देश की सेवा कर राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देती रही हैं। चौंकाया इस लिए भी क्योंकि मुस्लिम पृष्ठभूमि से कम ही महिलाएं सेना में आती हैं। सोफिया ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ हिंदी में हमले का ब्योरा देकर भी लोगों का ध्यान खींचा। दरअसल, सिग्नल कोर की कर्नल सोफिया कुरैशी की पारिवारिक पृष्ठभूमि ने भी उसे सेना में जाने के लिये प्रेरित किया। वे संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में भी काम कर चुकी हैं। सोफिया बताती है कि एक फौजी के परिवार में जन्म लेने के कारण सेना को लेकर उसके मन में हमेशा एक खास सम्मोहन था। वह पिता के सेना में होने के कारण सैन्य परिवेश से वाकिफ रही हैं। वह बताती हैं, 'मेरी मां की भी दिली इच्छा थी कि मैं और मेरी जुड़वा बहन सेना में शामिल हों। मेरा संकल्प था सेना में जाने का, मैंने आवेदन किया और मैं सेना के लिए चुन ली गई।'

उल्लेखनीय है कि सोफिया कुरैशी गुजरात की रहने वाली हैं। उनका जन्म वर्ष 1981 में वड़ोदरा में हुआ। सोफिया के जन्म के कुछ मिनट बाद ही उनकी छोटी बहन सानिया का जन्म हुआ। सानिया वर्ष 2017 में मिस इंडिया अर्थ रह चुकी हैं। सोफिया ने बायोकेमिस्ट्री में अपना पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा किया। फिर वर्ष 1999 में ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी से प्रशिक्षण हासिल किया। जिसके बाद लेफ्टिनेंट के रूप में उन्हें सेना में कमीशन मिला। उस समय उनकी उम्र सत्रह साल थी सोफिया कहती हैं कि मेरे दादा भी सेना में थे। वे कहा करते थे कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह मुश्किल वक्त में देशहित में उठ खड़े हों और राष्ट्र रक्षा को तत्पर रहे। सोफिया के पिता कुछ समय तक सेना में धार्मिक शिक्षक रहे हैं। वे अपनी बेटी की उपलब्धियों पर फूले नहीं समाते हैं। देश के लिये उनके योगदान पर वे गर्व करते हैं। कर्नल सोफिया की मां हलीमा कुरैशी ने घटनाक्रम के बाद कहा कि बेटी ने बहनों और माताओं के सिंदूर का बदला ले लिया है। सोफिया बचपन से सेना में जिम्मेदारी निभाना चाहती थी।

वहीं सोफिया के पति भी मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री में सैन्य अधिकारी हैं। सोफिया कहती हैं कि पारिवारिक विरासत व सम्मानजक पेशे के साथ राष्ट्रीय उत्तरदायित्व और बढ़ जाते हैं। सोफिया याद करती हैं कि वह जब सैन्य अकादमी के लिये चुनी गई तो देश विषम चुनौतियों का सामना कर रहा था। यह कारगिल युद्ध का समय था।

उल्लेखनीय है कि सोफिया ने वर्ष 2016 में बहुराष्ट्रीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास में भारतीय सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व भी किया था। प्रशिक्षण अभ्यास पूणे शहर में हुआ था। बताते हैं कि यह भारत में आयोजित सबसे बड़ा ग्राउंड फोर्सेज अभ्यास था, जिसमें आसियान प्लस देश शामिल थे। तब चालीस सैनिकों की टुकड़ी का नेतृत्व कर्नल सोफिया ने किया था। उन्हें इतने बड़े बहुराष्ट्रीय अभ्यास में भारतीय सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी होने का गौरव मिला था। दरअसल, सोफिया के सैन्य कैरियर में कई जगमगाते सितारे जड़े हुए हैं। वर्ष 2001-2002 में ऑपरेशन पराक्रम के दौरान वह पंजाब सीमा पर तैनात थी। उसे उल्लेखनीय सेवा के लिये जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ से प्रशस्ति पत्र मिला। वर्ष 2006 में कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में सैन्य शिक्षक के तौर पर उन्होंने कार्य किया। वहां छह साल तक काम किया, जहां उनकी भूमिका शांति अभियान में ट्रेनिंग संबंधित योगदान प्रदान करने की थी।

वहीं दूसरी ओर वह सिग्नल रेजिमेंट के आतंकविरोध मिशन में भी शामिल रही हैं। उन्हें सिग्नल रेजिमेंट में रहते हुए सैन्य संवाद में दक्ष माना जाता है। उन्होंने उत्तर-पूर्व भारत में आया विनाशकारी बाढ़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। यही वजह है कि पूर्वोत्तर में आपदा राहत के दौरान कम्युनिकेशन के जरिये असाधारण काम करने के कारण सिग्नल ऑफिसर-इन-चीफ से प्रशस्ति पत्र मिला था। निस्संदेह, राष्ट्रसेवा व सैन्य दायित्वों में सोफिया के योगदान का विशिष्ट महत्व रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में उनकी सेवाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। दरअसल, सेना में स्थायी कमीशन के लिये सुप्रीम कोर्ट में 11 महिला सैन्य अधिकारियों ने एक याचिका दायर की थी कि सेना में लैंगिक समानता को प्राथमिकता दी जाए। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2020 में दिए गए अपने फैसले में सोफिया की उपलब्धियों का विशेष रूप से उल्लेख किया था। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उसने एक सैन्य प्रतिभा से पूरे देश को अवगत करा दिया।

(चिंतन-मनन)

वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है। मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं। मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढ़ियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढ़ियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत् पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

विचार मंथन

पाकिस्तानी नेता और सेना के अधिकारियों के अरबों रूपया विदेशों में ट्रान्सफर

(लेखक- सनत जैन)

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान पाकिस्तानी नेताओं और सेना के अधिकारियों ने अपना पैसा दुबई भेजना शुरू कर दिया है। पिछले तीन-चार दिनों के अंदर बड़े-बड़े फौजी अफसरों ने करोड़ों रुपए की रकम दुबई के बैंकों में ट्रांसफर की है। स्टेट बैंक ऑफ़ पाकिस्तान ने फॉरेन ट्रांजैक्शन को चेक किया, तो बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नेताओं और सेना के अधिकारियों द्वारा अरबों रूपया कई देशों में ट्रांसफर किया गया है। स्टेट बैंक पाकिस्तान ने सभी सरकारी और प्राइवेट बैंकों को विदेश पैसा भेजने के मामले में जानकारी मांगी है। पिछले चार दिनों मे पाकिस्तान से अरबों रुपया दुबई, अमरीका, कनाडा और ब्रिटेन में ट्रांसफर किया गया है। इस रकम को रियल स्टेट में बड़ी मात्रा में निवेश किया गया है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था तेजी से कमजोर हो रही है। पाकिस्तान इस समय जिस गहरे आर्थिक और राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। वह अकेले वित्तीय कुप्रबंधन का परिणाम नहीं है। पाकिस्तान में दशकों से कट्टरवाद, भ्रष्टाचार और सैन्य वर्चस्व के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बद से बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान का कर्ज 80 हजार अरब रुपये के पार पहुंच गया है। महंगाई दर 30 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई है। विदेशी मुद्रा भंडार न्यूनतम स्तर पर है। पाकिस्तान की आम जनता को रोटी-दूध जैसे जरूरी सामान के लिए संघर्ष कर रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है, कि पाकिस्तान अभी भी अपनी नीतियों में बदलाव करते हुये नहीं दिख रहा। उलटे भारत से लड़ने के लिए तैयार है। पाकिस्तान की वर्तमान अर्थव्यवस्था इस बात का संकेत है। युद्ध होने से पाकिस्तान को आंतरिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिली राहत भी बेमानी साबित हो रही है। कर्ज की किश्तों को चुकाने के लिए नए कर्ज लेने की मजबूरी पाकिस्तान की बनी हुई है। भारत के साथ युद्ध के परिदृश्य में भारत के लिए दो सबसे बड़ी चिंतायें है। पहली पाकिस्तान की आर्थिक अस्थिरता से सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवाद और घुसपैठ को बढ़ावा मिल सकता है। दूसरी चिंता चीन की है। चीन भारत की पीठ पर पीछे से वार कर रहा है। वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की गिरती साख भारत की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करता है। भारत दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति है। पाकिस्तान को समझना होगा, आतंकवाद के सहारे और सेना को लोकतंत्र से ऊपर रखकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता है। कट्टरवाद के सहारे कोई राष्ट्र विकसित नहीं हो सकता है। पाकिस्तान को आर्थिक और राजनीतिक ढांचे में व्यापक स्तर पर बदलाव करने होंगे। अन्यथा गंभीर परिणाम झेलने के लिए पाकिस्तान को तैयार रहना होगा। पाकिस्तान के नेता और सेना के अधिकारी जिस तरह से अपना धन विदेशों में ट्रांसफर कर रहे हैं। उससे स्पष्ट है, भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध में उन्हें पाकिस्तान की कमजोरी का एहसास है। सत्ता में बैठे नेताओं और सेना के अधिकारियों पर कभी भी गाज गिर सकती है। जिसके कारण वह विदेश में पैसा ट्रांसफर कर भागने की तैयारी कर रहे हैं। स्पष्ट है, पाकिस्तान के नेता और सैन्य अधिकारी समय-समय पर पाकिस्तान छोड़कर विदेशों में शरण लेकर भ्रष्टाचार से बचते रहे है। पिछले 5 दशकों में सैकड़ों नेताओं और सेना के अधिकारियों ने भ्रष्टाचार का आरोप लगने और सत्ता से बेदखल होने पर विदेश भागकर अपने आपको सजा से बचाया है। वर्तमान में जिस तरह से नेता और सैन्य अधिकारी पाकिस्तान में जमा धन विदशों में ट्रांसफर कर रहे है। उससे स्पष्ट है पाकिस्तान की नाव डूबने जा रही है। जिसके कारण नेता और सेना के अधिकारी भागने की तैयारी कर रहे हैं।

बीती रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आधा दर्जन मिलिट्री बेस को उड़ायाः कर्नल सोफिया

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ हमले की कोशिश की। इसका जवाब देते हुए भारतीय वायुसेना ने बीती रात पाकिस्तान के कई शहरों में तबाही मचाई। पाकिस्तान के 6 मिलिट्री बेस को उड़ा दिया, जहां से पाकिस्तान भारत के खिलाफ ड्रोन और मिसाइल हमला कर रहा था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने भारतीय सुरक्षाबलों की कार्रवाई की हर जानकारी दी है। भारत के हमलों में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ है। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, पाकिस्तान द्वारा जानबूझकर हवाई ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारतीय सशस्त्र बलों ने त्वरित और सुनियोजित जवाबी कार्रवाई की। पाकिस्तान के तकनीकी प्रतिष्ठानों, कमांड और नियंत्रण केंद्रों, रडार साइटों और हथियारों के भंडार को निशाना बनाया। रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहीम यार खान, सुक्कुर और चुनियन में पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को गोला-बारूद और लड़ाकू विमानों के जरिए निशाना बनाया गया। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने कहा कि पसरूर में रडार साइट और सियालकोट में विमानन बेस को भी सटीक गोला-बारूद से निशाना बनाया गया। इन कार्रवाइयों के दौरान भारत ने सार्वजनिक संपत्ति को कम नुकसान पहुंचाया। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा, एक त्वरित और सुनियोजित प्रतिक्रिया में भारतीय सशस्त्र बलों ने केवल चिन्हित सैन्य लक्ष्यों पर सटीक हमला किया। पाकिस्तान ने लगातार दुर्भावनापूर्ण गलत सूचना अभियान चलाने का प्रयास किया है, जिसमें भारतीय एस-400 प्रणाली को नष्ट करने, सूरत और सिरसा में हवाई अड्डों को नष्ट करने का दावा किया गया है। भारत पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे इन झूठे दावों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, मैंने पहले भी कई मौकों पर कहा है कि पाकिस्तान की कार्रवाइयां उकसावे और तनाव बढ़ाने वाली हैं। जवाब में भारत ने पाकिस्तान की ओर से की गई इन उकसावे और तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाइयों का जिम्मेदाराना और संतुलित तरीके से बचाव किया है और प्रतिक्रिया दी है। आज सुबह हमने इस उकसावे और तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाई को दोहराया।

आतंकवादी ठिकाना नष्ट किया गया

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के की गई गोलीबारी के जवाब में जम्मू में अखनूर के सामने पाकिस्तानी सीमा क्षेत्र में स्थित एक आतंकवादी ठिकाने को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। बीएसएफ ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह आतंकवादी ठिकाना पाकिस्तान में सियालकोट जिले के लूनी में था। पाकिस्तान ने शुक्रवार रात नौ बजे से जम्मू सेक्टर में बीएसएफ चौकियों पर बिना उकसावे के गोलीबारी शुरू की जिसके बाद लूनी में आतंकवादी ठिकाने को नष्ट कर दिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ ने गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान रेंजर्स की चौकियों और संपत्तियों को व्यापक नुकसान पहुंचा। बीएसएफ ने अखनूर क्षेत्र के सामने सियालकोट जिले के लूनी में स्थित आतंकवादी ठिकाने को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। प्रवक्ता ने कहा, भारत की संप्रभुता की रक्षा का हमारा संकल्प अडिग है।

बाबा रामदेव को दोबारा ऐसी टिप्पणी नहीं करने की नसीहत के साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट ने बंद किया केस

रूह अफजा विवाद पर कोर्ट ने हमदर्द के पक्ष में सुनाया फैसला

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने योग गुरु बाबा रामदेव को नसीहत के साथ ही बड़ी राहत प्रदान की है। कोर्ट ने उनके खिलाफ रूह अफजा मामले में दायर मुकदमा बंद कर दिया है। कोर्ट का यह निर्णय रामदेव द्वारा हमदर्द के उत्पाद रूह अफजा के खिलाफ भविष्य में कोई अपमानजनक टिप्पणी न करने के वचन के बाद आया है। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस अमित बंसल की अदालत ने साफ किया कि रामदेव और पतंजलि फूड्स लिमिटेड द्वारा दिए गए हलफनामे में किए गए वचन उनके लिए बाध्यकारी रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि यह मामला अब समाप्त किया जाता है, और हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया के पक्ष में निर्णय सुनाया। मामला उस समय सुर्खियों में आया था जब बाबा रामदेव ने पतंजलि के गुलाब शरबत का प्रचार करते हुए यह दावा किया था कि हमदर्द के रूह अफजा से कमाई गई राशि का उपयोग मदरसों और मस्जिदों के निर्माण में किया जाता है। इस पर हमदर्द ने आपत्ति जताते हुए कोर्ट का रुख किया। 22 अप्रैल को कोर्ट ने रामदेव और पतंजलि से हलफनामा दाखिल करने को कहा था, जिसमें यह आश्वासन देना था कि वे अब किसी भी प्रतिस्पर्धी उत्पाद के खिलाफ इस प्रकार की टिप्पणी नहीं करेंगे, न ही कोई विवादास्पद वीडियो या विज्ञापन जारी करेंगे।

भारत ने रावलपिंडी सहित तीन एयरबेसों पर किया हमला

नई दिल्ली।

पाकिस्तानी सेना प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने बताया कि भारत ने देश के तीन एयरबेसों पर मिसाइलें दागीं, जिनमें से अधिकांश को सेना ने इंटरसेप्ट कर लिया। उन्होंने कहा कि भारत ने हमारे तीन वायुसेना ठिकानों पर मिसाइल हमले किए हैं, जिसके बाद पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने दावा किया कि पाक एयरफोर्स को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

इन सबके बीच पाकिस्तान सिविल एविएशन अथॉरिटी ने घोषणा की है कि सुबह 3:15 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक देश का वायु क्षेत्र सभी प्रकार की उड़ानों के लिए बंद रहेगा। हालांकि, भारत की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने शनिवार को कहा कि भारत ने पाकिस्तान के तीन एयरबेस- नूर खान (रावलपिंडी), मुरीद (चक्वाल) और रफ़ीकी (झंग जिला, पंजाब) को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। उन्होंने कहा कि मैं आपको चौंकाने वाली जानकारी देना चाहता हूं कि भारत ने आदमपुर शहर से 6 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

इनमें से एक मिसाइल आदमपुर में ही गिरी, जबकि बाकी अमृतसर के इलाकों में गिरीं। शरीफ के अनुसार, इनमें से ज्यादातर मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर लिया गया और वायुसेना की सभी संपत्तियां सुरक्षित हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ भारतीय मिसाइलें अफगानिस्तान की ओर भी चली गईं।

अमेरिका चाहता है संघर्ष खत्म हो

तीन दिनों से भारत और पाक में चरम पर तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि संघर्ष जल्द से जल्द खत्म हो। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति इस बात को समझते हैं कि ये दो ऐसे देश हैं जिनका दशकों से एक-दूसरे के साथ मतभेद है।

प्रेस सचिव ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष में मध्यस्थता की संभावना को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा कि ट्रंप के दोनों देशों के नेताओं के साथ अच्छे संबंध हैं और इस संघर्ष को समाप्त करने के प्रयास करते हुए हमारे विदेश मंत्री मार्को रुबियो दोनों देशों के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में हैं।

सिरसा में परास्त हुई पाकिस्तान की मिसाइल फतेह-2

जम्मू।

पाकिस्तान ने शनिवार तड़के लंबी दूरी की फतेह-2 बैलिस्टिक मिसाइल को भारत की तरफ लॉन्च किया गया। एयर डिफेंस सिस्टम ने इसे इटरसेप्ट करके हरियाणा के सिरसा में सफलतापूर्वक उसे निष्क्रिय कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फतेह-2 को दिल्ली को निशाना बनाकर दाग गया था। हालांकि, भारत की ओर से इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले शनिवार रात को भारत ने रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस, पंजाब के शोरकोट में रफीकी एयरबेस और चकवाल के मुरिद एयरबेस को निशाना बनाकर जवाबी हमला किया। रक्षा सूत्रों के अनुसार, इन हमलों में पाकिस्तान की वायुसेना को भारी क्षति पहुंची है। पाकिस्तान ने शुक्रवार की रात एक बार फिर 26 स्थानों को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले किए। जम्मू-कश्मीर से लेकर गुजरात तक फैले इन हमलों का मकसद भारतीय सैन्य ठिकानों, हवाई अड्डों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाना था।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सभी हमलों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया। हालांकि, पंजाब के फिरोजपुर में एक रिहायशी इलाके में ड्रोन हमले में एक ही परिवार के कुछ सदस्य घायल हो गए। पाकिस्तान ने शुकवार को लगातार दूसरी रात जम्मू कश्मीर से लेकर गुजरात तक 26 स्थानों पर ताजा ड्रोन हमले किए तथा रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दुश्मन द्वारा हवाई अड्डों और वायुसेना ठिकानों सहित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों को विफल कर दिया गया। पंजाब के फिरोजपुर में एक परिवार के कुछ सदस्य रात के अंधेरे में किए गए हमलों में घायल हो गये। हमलों में घायल हो जाने का यह केवल एक मामला रहा। पाकिस्तान से लगी सीमा वाले सभी राज्यों में ब्लैकआउट रखा गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है और उस पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है तथा घबराने का कोई कारण नहीं है।

रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बाताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा एवं नियंत्रण रेखा के पास 26 स्थानों पर ड्रोन देखे गये।

भारत-पाक तनाव को लेकर स्वामी योगेश्वरानंद गिरि की क्या कहती है भविष्यवाणी

उन्होंने दावा किया 30 मई, 2025 के बाद बदल जाएगा भारत का भविष्य

मुंबई।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है, ऐसे में स्वामी योगेश्वरानंद गिरि का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दरअसल इस वीडियो फुटेज में वो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की भविष्यवाणी करते देखे जा रहे हैं। स्वामी योगेश्वरानंद गिरि इस वीडियो में कहते देखे जा रहे हैं कि देश के लिए पिछले 1,000 साल जरुर कठिन रहे, लेकिन 30 मई, 2025 के बाद भारत का भविष्य बदल जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपने स्वर्णिम काल में प्रवेश करने के लिए तैयार है। स्वामी गिरि ने यह बात एक साक्षात्कार के दौरान कही थी, जो अब वायरल हुई है। उन्होंने यह भी कहा था कि सितारे इस तरह से संरेखित हो रहे हैं जैसे महाभारत का समय हो। यह संरेखण भारत के लिए सुनहरा है। युद्ध होना तय है। भारत हावी होगा। वह वीडियो में मई 2025 के महीने में युद्ध की भविष्यवाणी करते हुए नज़र आ रहे हैं। स्वामी ने कहा

कि ग्रहों का एक समीक्षा आ रही है, 30 मई को, ज्योतिषीय रूप से। ये जो 6 ग्रह आपस में स्थिति बना रहे हैं, ये वह स्थिति है, जो पूर्व में महाभारत के समय, या बड़े युद्ध के समय गृह बनाते हैं। ये गणितीय है, किसी के द्वार बोल देने मात्र से नहीं। कम से कम मैं ये कह सकता हूं कि भारत शिखर पर है। भारत-पाकिस्तान युद्ध की भविष्यवाणी करने वाले स्वामी योगेश्वर नंदा गिरी ज्योतिष की दुनिया में स्वामी यो के नाम से जाने जाते हैं। बताया जाता है कि स्वामी की संस्था का एक ऑफिस मुंबई के सांताक्रूज ईस्ट में है। स्वामी का जन्म महाराष्ट्र के उल्हास नगर में हुआ था। वह ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखते हैं।

सीमा तनाव के बीच सरकार सतर्क

सभी मंत्रालयों को संकट प्रबंधन की तैयारी के निर्देश

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को बताया कि वे भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर सही निर्णय लेने के एक्शन में हैं। उन्होंने अपने साथी सचिवों के साथ एक समीक्षा बैठक में कहा कि सरकारी मंत्रालयों को आपात योजना तैयार करने के लिए तत्परता से काम करने की जरूरत है। इस दिशा में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को सीमा से लगे राज्यों के किसानों की मदद सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए हैं। वे भी कहते हैं कि यदि बोवाई में देरी होती है, तो सरकार किसानों की जरूरतों को प्राथमिकता में रखेगी। इसके अलावा, सरकार ने आगामी खरीफ सीजन के लिए एक रूपरेखा तैयार की है और देश के खाद्यान्न भंडार में पर्याप्त मात्रा है।

मुख्यमंत्री चौहान ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध कराया जाए। व्यापारियों और थोक विक्रेताओं को भी खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी न करने की सख्त चेतावनी दी गई है। सरकार ने उन्हें यह समझाया है कि कृत्रिम कमी न करनेसे बाजार में परेशानी उत्पन्न हो सकती है। केंद्रीय मंत्री ने भी सोशल मीडिया पर खाद्यान्न के भंडार के बारे में गलत जानकारी फैलाने पर रोक लगाने की अपील की है। वे स्पष्ट कर चुके हैं कि खाद्यान्न की पुरानी स्टॉक पर ध्यान न देना चाहिए। इस तरह सरकार ने तनाव की स्थिति का सामना करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं और जनता की सुरक्षा और हित की देखभाल करने की संकल्पना जताई है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने अस्थायी रूप से बंद किया अपना हवाई क्षेत्र

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने शनिवार को कुछ समय के लिए अपने हवाई क्षेत्र को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। इससे पहले, भारत ने उस पर ड्रोन हमलों के दौरान वाणिज्यिक उड़ानों को ढाल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के माध्यम से अधिसूचित यह फैसला परमाणु हथियारों से लैस भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण लिया गया है।रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कदम भारत की उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर रात भर तीव्र ड्रोन गतिविधि के बाद उठाया गया है, जब उत्तर में बारामूला से लेकर दक्षिण में भुज तक स्थित अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 26 स्थानों पर पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए थे। मंत्रालय ने कहा कि इनमें सशस्त्र ड्रोन भी शामिल थे, जो नागरिक और सैन्य ठिकानों के लिए खतरा बन सकते थे। भारत ने पाकिस्तान पर ड्रोन और मिसाइल अभियानों के दौरान हवाई क्षेत्र खुला रखकर अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को खतरे में डालने का आरोप लगाया।

जम्मू-कश्मीरः महबूबा मुफ्ती ने जताया एडीसी की मौत पर दुख

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सीमा पार से हुई भारी गोलाबारी में कई घरों को नुकसान पहुंचा है और इस हमले में राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा की मौत हो गई। जम्मू कश्मीर पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने उनके निधन पर दुख जाहिर किया है। पाकिस्तान की ओर से की गई इस गोलीबारी ने राजौरी शहर को निशाना बनाया गया जिसमें कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, सीमा पार से गोलाबारी के कारण राजौरी में हमारे एक बहादुर अधिकारी- राज कुमार थप्पा एडिशनल डीसी की दुखद मौत के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। युद्ध हमेशा एक त्रासदी होती है, लेकिन यह और भी अधिक दुखद हो जाती है जब बच्चों सहित निर्दोष नागरिक इस हिंसा का खामियाजा भुगतते हैं। प्रतिशोध के क्रम में हमने पहले ही बहुत से कीमती जीवन खो दिए हैं और इसके खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उनकी आत्मा को शांति मिले।

भारतीय सेना ने कच्छ में पाकिस्तान के 6 ड्रोन हमलों को किया नाकाम

कच्छ। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया पाकिस्तान रिहाइशी इलाकों को टार्गेट कर रहा है7 हांलाकि भारतीय सेना भी पाकिस्तान के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब दे रही है7 शुक्रवार की रात से शनिवार तड़के तक पाकिस्तान ने भारत के कई सीमावर्ती और शहरी इलाकों पर हमले की कोशिश की7 लेकिन भारत की सेना ने सभी हमलों का नाकाम कर दिया है7 पाकिस्तान ने गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ पर ड्रोन हमले किए, लेकिन सभी नाकाम रहे7 भारतीय सेना ने कच्छ में पाकिस्तान के 6 ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया7 भारतीय वायुसेना ने कच्छ जिले के भुज के निकट 2 और नलिया के पास 4 पाकिस्तानी ड्रोन को उड़ा दिया7 सीमावर्ती क्षेत्र ही नहीं बल्कि भुज तक ड्रोन हमले का नाकाम प्रयास किया गया7 फिलहाल गुजरात के सभी सीमावर्ती जिले हाई अलर्ट पर हैं। भुज में घर से बाहर न निकलने के आदेश जारी किए गए हैं। साथ ही नागरिकों को किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की भी हिदायत दी गई है।

भारत-पाकिस्तान तनाव- झारखंड में अलर्ट, सुरक्षा में बढ़ोतरी

झारखंड पुलिस की साइबर पेट्रोलिंग शुरू, सोशल मीडिया पर भी नजर

रांची। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ते जा रहे हैं, जिसका असर झारखंड में भी महसूस हो रहा है। भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर का आयोजन करने के बाद झारखंड पुलिस और ऊर्जा विभाग अलर्ट में हैं। झारखंड पुलिस ने साइबर पेट्रोलिंग शुरू की है और सोशल मीडिया पर नजर बनाए रखी है। ऊर्जा विभाग भी अपनी बिजली व्यवस्था को सुधारने में जुटा है। रिम्स अस्पताल ने भी आपात स्थिति के लिए तैयारियाँ की हैं, जिसमें ऑक्सीजन बेड और स्टाफ की व्यवस्था शामिल है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को अलर्ट किया है और सुरक्षाबद्धि में वृद्धि करने के निर्देश दिए हैं। ऐसे माहौल में सेना की सहायता के लिए पुलिस अधिकारियों ने भी शुरू की है। पाकिस्तान के साथ तनाव को देखते हुए झारखंड के ऊर्जा विभाग ने मॉक ड्रिल किया है और बिजली सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं। इसके साथ ही, रिम्स अस्पताल भी अपातकालीन तैयारी में जुटा है और ऑक्सीजन बेड और स्टाफ की सुविधा बढ़ा रहा है।पुलिस और प्रशासन ने जनता की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए सक्रिय भूमिका निभाई है, ताकि किसी भी मुश्किल से निपटा जा सके। वे इस तनावपूर्ण समय में लोगों की मदद में जुटे हुए हैं।

ब्लाइंड मर्डर में खुलासा-पति और सौतेले बेटों ने किया था मर्डर, तीनों अरेस्ट

***महिला की हत्या के आरोपी पति और सौतेले बेटे पुलिस गिरफ्त में।**

***मृतका की शादी 5 महीने पहले हुई थी आरोपी पति से**

हैलो सरकार न्यूज़ नेटवर्क

टोंक। जिले के लांबाहरिसिंह थाना क्षेत्र में बंद पड़ी खान में 20 दिन पहले मिले महिला के शव को लेकर पुलिस ने आज खुलासा कर दिया।

गौरतलब है कि पांच महीने पहले शादी करने वाले पति और उसके दो बेटों ने ही उसको मौत के घाट उतार दिया। पचेवर थानाधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि महिला के मर्डर की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया और संदिग्धों की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया और संदिग्धों पर नजर रखी गई। महिला के पति व उसके दो बेटों को जांच के दायरे में लेकर कड़ी पूछताछ की गई। मृतक महिला का पति सुखलाल और उसके पुत्र बद्रीलाल तथा राकेश से जब सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पति और उसके सौतेले बेटों ने किया था।

गहने लूटने के लिए किया था महिला का मर्डर

जांच अधिकारी चौधरी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि महिला का मर्डर गहने लूटने के लिए किया गया। पति और उसके 2 बेटों ने मर्डर के बाद क्रूरता की सारी हदें पार कर दी। महिला की हत्या कर तीनों ने उसके दोनों पैर काट कर अलग कर दिए और शव व काटकर अलग किए पैरों को कपड़े में बांधकर पोटली को सालों से बंद पड़ी पानी से भरी खान में फेंक दिया।

20 किलो का पत्थर बांधकर शव को फेंका था खाने में

दरअसल 18 अप्रैल को शाम को लांबा हरिसिंह थाना क्षेत्र में नयागांव के पास बंद पड़ी खान

में भरे पानी में ग्रामीणों को एक पोटली नजर दिखी थी। उन्हें लगा, पोटली में कुछ तो है, उन्होंने पुलिस को सूचना दी। बाद में लांबाहरिसिंह थानाधिकारी राजकुमार बिरला पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से जब पोटली को बाहर निकाला गया तो उसमें महिला का शव मिला। महिला के दोनों पैर कटे हुए थे और पोटली के भीतर ही बंधे हुए थे। शव के साथ करीब 20 किलो वजनी पत्थर भी बंधा हुआ था, जिससे उसे पानी में डुबोया जा सके, लेकिन बॉडी ऊपर आ गई। शव गलने से खराब हो गया था। शव पानी में पड़ा होने से गल गया बॉडी गलने से कोई पहचान नहीं हो पाई। पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेजा गया। पुलिस ने अज्ञात महिला की पहचान के लिए सोशल मीडिया, वॉट्सऐप ग्रुप्स और आसपास के इलाकों में तस्वीरें साझा की। साथ ही घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। जांच के दौरान सामने आया कि मृतका के परिजन गजानंद पुत्र जोशी निवासी स्याह थाना पचेवर हाल सिंधोलिया थाना अराई है।

आपसी मनमुटाव के चलते अलग रह रही थी मृतका

जांच में सामने आया 5 महीने पहले किया था नाता विवाह पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सुखलाल ने मृतका से करीब पांच महीने पहले नाता विवाह किया था, लेकिन आपसी मनमुटाव के चलते मृतका कुछ समय से उससे अलग रह रही थी। सुखलाल को शक था कि मृतका के पास कीमती चांदी के आभूषण हैं। इसी लालच में उसने अपने पुत्रों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई और फिर उसका मर्डर कर खान में फेंक दिया।

गहरी नींद में सो रही थी मृतका तब किया था हमला

आरोपियों ने मर्डर से पहले शराब पी 12 अप्रैल की रात महिला खाना खाकर अन्य दिनों की तरह घर में सो गई। उसके बाद उसका पति सुखलाल और उसके दोनों बेटों ने एक साथ बैठकर शराब पी और फिर चारपाई पर सो रही महिला को दबोच लिया। उसका मुंह भी बंद कर उसके गहने निकाल लिए। फिर कुल्हाड़ी से उसके दोनों पैर काट कर अलग कर दिए। बाद में पैरों और शरीर को कपड़ों में लपेटकर उसमें 15-20 किलो का पत्थर बांध दिया। इसके बाद शव को बंद पड़ी पानी से भरी खान में फेंक दिया, ताकि कोई सबूत नहीं बचे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है और उनके पास से चांदी के आभूषण भी बरामद कर लिए गए हैं।

पहला कॉलम

पाकिस्तान कर रहा नापाक हरकत, स्कूल और अस्पतालों को बना रहा निशाना

कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा- भारत दे रहा मुंह तोड़ जवाब

नई दिल्ली। पाकिस्तान लगातार सीमा पार से नापाक हरकत कर रहा है। रात के अंधेरे में भारतीय सीमा में घुसकर हमले कर रहा है। शनिवार को कर्नल सोफिया कुरैशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन उस भारतीय जगहों के बारे में जानकारी दी, जिसे पाकिस्तान निशाना बना रहा है। सोफिया ने कहा कि श्रीनगर से लेकर पंजाब और राजस्थान, गुजरात तक एयरबेस स्टेशन को तो निशाना बनाया ही साथ ही स्कूल और अस्पतालों पर भी हमले की कोशिश की। पाकिस्तान ने उधमपुर, पठानकोट, आदमपुर, भुज, बठिंडा, श्रीनगर, अवंतिपोर, कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ और अखनूर को टारगेट किया। सेना और विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोफिया कुरैशी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा और एलओसी पर श्रीनगर से नलिया तक 26 से ज्यादा जगहों पर हवाई हमले की कोशिश की गई। भारत ने ज्यादातर खतरों को नामाक कर दिया है। फिर भी वायु सेना स्टेशनों पर उधमपुर, पठानकोट, आदमपुर, भुज, बठिंडा स्टेशन पर उपकरणों को हानि पहुंची है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने देर हाई स्पीड मिसाइल का इस्तेमाल कर पंजाब में एयरबेस स्टेशन को निशाना बनाने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि अनप्रोफेशनल और निंदनीय ऐक्ट के तहत श्रीनगर, अवंतिपोर, उधमपुर में वायुसेना अड्डों चिकित्सा केंद्र और स्कूल परिसर को निशाना बनाया गया है। सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर की नीति उजागर हुई। पाकिस्तान ने सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया। इस पर भारतीय सेना ने भी जवाब दिया। पाकिस्तान ने नागरिक विमानों का दुरुपयोग किया। भारतीय सेना ने संयम के साथ काम किया है।

भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी की सदस्यता समाप्त

बेंगलुरु। कर्नाटक के विधायक और भाजपा नेता, जी जनार्दन रेड्डी को अवैध लोह अयस्क खनन मामले में अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया है। अदालत से दोषी ठहराए जाने के बाद विधानसभा ने सदस्यता से उन्हें अयोग्य करार किया है। कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को यह अधिसूचना जारी कर दी है। जब तक किसी सक्षम न्यायालय द्वारा उनकी सजा पर रोक नहीं लगाई जाती है। तब तक वह विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य रहेंगे,और 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। कर्नाटक विधानसभा की एक सीट खाली हो गई है। यदि उनकी सदस्यता पर रोक नहीं लगी, तो जल्द ही गंगावती विधानसभा सीट के चुनाव हो सकते हैं।

सेना जल्द ही पाकिस्तान के जोश को ठंडा कर देगी- तेजस्वी यादव

पटना। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश भर में एकजुटता का माहौल है। विपक्ष और सत्ता दोनों एक सुर में भारतीय सेना और मोदी सरकार के समर्थन में खड़े हैं। इसी कड़ी में बिहार के नवगछिया पहुंचे राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान देकर सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुला समर्थन दिया है। तेजस्वी ने कहा, भारतीय सेना पर पूरे देश को भरोसा है। हमारी सेना ने पहले भी पाकिस्तान को कई बार घुटने पर ला चुकी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए हैं, तब वह भारतीय सेना की ताकत से हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में जब सीमा पर तनाव बढ़ रहा है, तब देश की हर राजनीतिक ताकत को सेना और सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए। तेजस्वी ने कहा कि पक्ष हो या विपक्ष आज हर कोई एकजुट है। भारत की सेना पाकिस्तान को सबक सिखाने में पूरी तरह सक्षम है और जल्द ही पाकिस्तान को ठंडा कर देगी। आतंकवाद का जड़ से खात्मा जरूरी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- देर रात की बातचीत का नतीजा, दोनों देशों को समझदारी भरे फैसले की बधाई

भारत-पाकिस्तान सीजफायर के लिए राजी ट्रम्प ने दी बधाई

वाशिंगटन।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान सीजफायर के लिए राजी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता में रातभर चली बातचीत के बाद दोनों देशों ने तुरंत हमले रोकने पर सहमति जता दी है। ट्रम्प ने इसे कॉमनसेंस और समझदारी से भरा फैसला बताया और भारत व पाकिस्तान दोनों को बधाई दी।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा, कि पाकिस्तान ने कभी अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं किया, लेकिन हमेशा क्षेत्र में शांति के लिए प्रयास किए हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए, लिखा- अमेरिका ने देर रात तक मध्यस्थता की। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह युद्धविराम के लिए तैयार हो गए हैं। मैं दोनों देशों को कॉमनसेंस और समझदारी दिखाने के लिए बधाई देता हूं।

अमेरिकी मध्यस्थता की भूमिका

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार रात भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बातचीत की थी।

उन्होंने आतंकवाद की निंदा करते हुए संयम बरतने की सलाह दी और दोनों पक्षों से शांति स्थापना की अपील की। रूबियो ने बताया कि अमेरिका भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है, लेकिन तनाव बढ़ाने की बजाय राजनयिक समाधान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

डीजीएमओ स्तर की सीधी बातचीत से बनी सहमति

सूत्रों के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी रोकने और सैन्य कार्रवाई स्थगित करने को लेकर सीधे तौर पर बातचीत हुई। पाकिस्तानी डीजीएमओ ने पहल करते हुए बातचीत शुरू की, जिसके बाद सहमति बनी। फिलहाल अन्य मुद्दों पर अलग स्थान पर बातचीत को लेकर कोई निर्णय नहीं हुआ है।

रूबियो ने कहा कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और वे खुद बीते 48 घंटे से भारत और पाकिस्तान के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शहबाज शरीफ, अजित डोभाल, और आसिम मुनीर से संपर्क में थे।

पीएम मोदी ने ली हाईलेवल मीटिंग, सीडीएस समेत तीनों सेना प्रमुख रहे मौजूद

भारत ने पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे झूठ और फरेब को किया खारिज

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस और भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों के साथ बैठक की। यह बैठक पाकिस्तान के 26 भारतीय ठिकानों पर हमले के जवाब में शनिवार तड़के भारत द्वारा पाकिस्तान के चार एयरबेसों पर किए गए हमलों के बाद हुई। इससे पहले शनिवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच चल रहे घटनाक्रम के बारे में मीडिया को जानकारी दी। विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा की जा रही कार्रवाइयों को बढ़ाने वाली और उकसाने वाली प्रकृति के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने पाकिस्तान की भड़काऊ कार्रवाइयों के सबूत पेश किए गए और साथ ही पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठ को भी उजागर किया गया। विदेश सचिव ने कहा कि पाकिस्तान की कार्रवाई उकसावे और तनाव बढ़ाने वाली थी। जवाब में भारत ने जिम्मेदारी और संयम से बचाव किया और उनके हमलों का जवाब दिया। भारत ने पाकिस्तान के दुर्भावनापूर्ण गलत सूचना अभियान को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय सैन्य संपत्तियों और बुनियादी ढांचे के विनाश का झूठा दावा किया गया था। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि अधमपुर में एस-400 सिस्टम, सूरतगढ़ और सिरसा में एयरफील्ड, नगरोटा में ब्रह्मोस स्पेस और देहरांग्यारी और चंडीगढ़ में आर्टिलरी-गन पोजिशन को हुए नुकसान के बारे में गलत सूचना फैलाने के पाकिस्तान के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत इन झूठे दावों को खारिज करता है, जो भारत की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने और जनता में डर पैदा करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

भविष्य में अब कोई भी आतंकवादी घटना, देश के खिलाफ जंग मानी जाएगी

मोदी सरकार के फैसले से पाकिस्तान की अब खैर नहीं

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी जंग जैसे हालात में मोदी सरकार ने बड़ा अहम फैसला किया है। मोदी सरकार ने तय किया है कि भविष्य में अब कोई आतंकवादी घटना होती है, तब उस घटना को एक्ट ऑफ वार यानी जंग माना जाएगा। इसके बाद आने वाले समय में भारत पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ सख्त एक्शन लेगा। अगर पाकिस्तान में पल-बढ़ रहे आतंकवादियों की ओर से ऐसी कोई हरकत होती है,तब भारत पाकिस्तान सरकार और सेना की ओर से भारत के खिलाफ जंग मानेगा। दरअसल, पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 हिंदुओं के नरसंहार की घटना के बाद भारत सरकार की नीति में यह बड़ा बदलाव किया है। घटना के जवाब में भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के नौ ठिकानों पर बम बरसाए हैं। इसमें सैकड़ों की संख्या में आतंकवादी मारे गए हैं। भारतीय सेना की इस कार्रवाई से पाकिस्तान बौखला गया है। वह बार-बार भारतीय सैन्य ठिकानों और अन्य जगहों पर मिसाइलों से हमले की कोशिश कर रहा है। लेकिन, भारत का मजबूत रक्षा कवच इन हमलों को विफल कर रहा है। वह एलओसी पर भी भारी गोलीबार कर रहा है। हालांकि भारत पाकिस्तान की ओर से किए जा हमलों का मुहंतोड़ जवाब दे रहा है। इसके पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो टूक कह चुके हैं कि भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर कोई देश या संगठन हमारे नागरिकों पर आतंकी हमला करेगा, तब उसका जबाव सैन्य कार्रवाई के द्वारा दिया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि भारत की सेना और खुफिया एजेंसियां ऐसी किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए तैयार हैं। यह फैसला भारत की नई नीति को दिखाता है, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात कही गई है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कई बड़े आतंकवादियों को मार गिराया, जिनमें मुदस्सर खदियान खास, हाफिज मुहम्मद जमील और मोहम्मद यूसुफ अजहर शामिल थे। इन हमलों ने पाकिस्तान को साफ संदेश दिया कि भारत आतंकी गतिविधियों का जवाब देने में पीछे नहीं हटेगा।रक्षा विशेषज्ञ भी भारत के इस नीतिगत बदलाव की सराहना कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह फैसला भारत की ताकत और इच्छाशक्ति को दिखाता है। अब कोई भी देश या आतंकी संगठन भारत पर हमला करने से पहले सौ बार सोचेगा। हमारी सेना के पास 16 लाख जवान, आधुनिक हथियार, और सैटेलाइट निगरानी जैसे संसाधन हैं, जो हमें किसी भी खतरे से निपटने में पूरी तरह से सक्षम बनाते हैं।

नक्सल हमले में बलिदान देने वाले कमांडो के परिजन को तेलंगाना सरकार देगी एक-एक करोड़

हैदराबाद।

तेलंगाना सीएम ए रेवंत रेड्डी ने मुलुगु जिले में माओवादियों द्वारा बारूदी सुरंगों में विस्फोट करने से मारे गए तीन कमांडो के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए की विशेष अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। सीएमओ की ओर से शुक्रवार देर रात जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सुरक्षा योजना के तहत 80 लाख रुपए प्रदान किए जाएंगे साथ ही 300 वर्ग गज के मकान के लिए जगह आवंटित की जाएगी। सीएम रेड्डी ने घोषणा की कि परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। बता दें कमांडो उस समय मारे गए जब मुलुगु पुलिस और ग्रेहाउंड इकाइयों वाली पुलिस टीम 8 मई को सुबह करीब छह बजे इलाके की तलाशी ले रही थीं और बारूदी सुरंगों एवं बमों को निष्क्रिय कर रही थीं। उसी समय यह विस्फोट हुआ और इसमें तीन कमांडो शहीद हो गए थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एतियातन रोकी गई केदारनाथ हेली सेवा

तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए गए

देहरादून। उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर ऑपरेशन सिंदूर का असर हुआ है। यात्रा के बीच केदारनाथ हेली सेवा को रोक दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक गंगोत्री-बद्रीनाथ के लिए भी हेली सेवाएं को बंद किया जा सकता है। पुष्कर सिंह धामी सरकार की ओर से चारधाम पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। चारधाम यात्रा रूट पर उत्तराखंड पुलिस की ओर से अतिरिक्त फोर्स की तैनाती है। पुलिस की ओर से सघन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। उत्तराखंड के कई शहरों में दिन के अलावा रात में भी चेकिंग हो रही है। प्रमुख चौराहों में अतिरिक्त पुलिस फोर्स की तैनाती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद केदारनाथ, बद्रीनाथ सहित चारों धामों में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। चारों धामों में पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों को तैनात किया गया है। तीर्थ यात्रियों की जांच हो रही है। पुलिस की ओर से चारों धामों के आसपास संदिग्धों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान भी चलाया जा रहा है। रात-दिन चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। ड्रोन कैमरों की मदद से भी निगरानी की जा रही है। यूपी, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली-एनसीआर सहित देश के अन्य राज्यों से भारी संख्या में तीर्थ यात्री दर्शन करने को उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। चारधाम में अब तक 25 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। चारों धामों में से केदारनाथ धाम जाने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या अधिक है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर उत्तराखंड के धार्मिक स्थलों सहित टॅरिस्ट स्पॉट में सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। यूपी, हिमाचल प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों से आने वाली गाड़ियों की जांच पड़ताल की जा रही है। तीर्थ यात्रियों और टूरिस्टों की भी चेकिंग भी जारी है। किसी भी संदिग्ध को तुरंत ही पकड़कर कर पुलिस स्टेशन पर पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया जा रहा है।

सीडीएस ने रक्षा मंत्री से की मुलाकात, वर्तमान हालातों से कराया अवगत

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान में सैन्य टकराव बढ़ने के बीच सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और उन्हें मौजूदा हालात की जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों से हवाले से कहा गया है कि सीडीएस ने शनिवार सुबह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर बैठक की जो केंद्रीय मंत्री के आवास पर हुई। भारत ने शुक्रवार को कहा था कि पाकिस्तान ने गुरुवार रात भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश के तहत लेह से सर क्रीक तक 36 स्थानों पर 300 से 400 ड्रोन दागे, हालांकि उसकी यह कोशिश नाकाम रही। शनिवार सुबह भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों से हमले बढ़ा रहा है।

पाक नागरिकों पर कर रहा हमले तो उसे सेना दे रही जवाब

कांग्रेस नेता भूपेश बघेल पहुंचे बिहार, कई कार्यक्रमों में लेंगे भाग

पटना।

विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने बिहार में सक्रियता बढ़ा दी है। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने बिहार का दौरा शुरू कर दिया है। शनिवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल पटना पहुंचे। बघेल कई कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं, जहां कुर्मी समाज के लोगों से मुलाकात करेंगे। कुर्मी वोट बैंक की साधेंगे। बघेल का पटना एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेताओं ने जोरदार स्वागत किया। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि पाकिस्तान लगातार हिमाकत कर रहा है, लेकिन उसे पता नहीं है कि भारत लगातार उसे मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है। पाकिस्तान सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। सिविलियन पर बम गोलियां बरसा रहा है जो बिल्कुल गलत है। भारतीय सेना हर मोर्चे पर उनका जवाब दे रही है और आगे भी देगी। उन्होंने कहा कि वो लोग ड्रोन से हमला कर रहे हैं, उनको तो ड्रोन चलाने भी नहीं आता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरीके से सिविलियन और गुरुद्वारे पर हमला किया जा रहा है यह बिल्कुल गलत है। मैं इसकी घोर निंदा करता हूं, लेकिन घबराइए नहीं हमारी सेना जवाब देगी।

बघेल शनिवार को सबसे पहले दारोगा राय पथ स्थित पटेल सेवा संघ कुर्मी समाज के लोगों के साथ मुलाकात करेंगे। साथ ही सामना समारोह के दौरान सम्मानित भी होंगे। इसके बाद पटेल छात्रावास पहुंचकर छात्रों के साथ मुलाकात करेंगे।

अनिल विज ने कहा, पाकिस्तान को 'जल्द ही होश आ जाएगा

ऑपरेशन सिंदूर इसका ताजा उदाहरण, पीएम मोदी जो कहते है, उसे करते हैं

चंडीगढ़।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर बढ़े तनाव के बीच हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने बड़ा बयान दिया। मंत्री विज ने कहा कि पाकिस्तान को ÷जल्द ही होश आ जाएगा÷। अंबाला में ब्लैकआउट के निर्देशों के बारे में मंत्री विज ने कहा कि पूरी तैयारी जरूरी है और जनता के सहयोग के बिना कुछ नहीं हो सकता है, इसकारण ब्लैकआउट के आदेश जारी किए गए हैं। अंबाला छावनी से सात बार विधायक रहे विज ने कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ ऐसा व्यवहार करेगा, जिसकी पाकिस्तान ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। पाकिस्तान ने आतंक की फैक्ट्रियां खोली हैं और हमारे निहत्थे नागरिकों को मारने के लिए आतंकवादियों को भेजा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ युद्ध करने का जोखिम नहीं उठा सकता। हरियाणा सरकार में मंत्री विज ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक और उदाहरण है जो दिखाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, वहां करते हैं। पीएम मोदी के पास अपने वादों को पूरा करने का रिकॉर्ड है, चाहे राम मंदिर का निर्माण हो, ट्रिपल तलाक को खत्म करना हो या जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाना हो। देश के पिछले नेताओं द्वारा की गई सभी गलतियों को अब सुधारा जा रहा है। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) से जुड़े चल रहे जल विवाद के बारे में विज ने कहा कि पंजाब सरकार की कार्रवाई राष्ट्रीय हित में नहीं है। देश युद्ध की ओर बढ़ रहा है, सेनाएं आमने-सामने खड़ी हैं, रोज़ाना हमले हो रहे हैं और एकता के बजाय वे (पंजाब सरकार) पड़ोसी राज्यों से लड़ाई कर रहे हैं। यह समय है कि हम एकजुट रहें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717